देवी छद्मलीला।

प्रातः स्मरणपाठ, भीष्मस्तवराज।

श्री नाथस्तुति, अपवर्ग पञ्चक और सीतावल्लभस्तोत्र।

भारतभूषण भारतेन्दु श्री हरिश्चन्द्र कृत.

जिस को हिन्दी भाषा के प्रेमी तथा रसिकजनों के मनोविलास

के लिये क्षत्रियपत्रिका सम्पादक

म० कु० बाबू रामदीन सिंह ने

प्रकाशित किया।

पटना—"खड्गविलास" प्रेस—बांकीपुर

साहबप्रसाद सिंह ने मुद्रित किया।

१८८९

हरिश्चन्द्राब्द ५

प्रथम वार] [दाम ।) आना।